केन्द्रीय विद्यालय संगठन
भोपाल संभाग
मैदा मिल के सामने,
भोपाल 462011-
दूरभाष क02550728(उपायुक्त)
2551678(सहायक आयुक्त)
2551699(प्र/0अ0वि(0अ0
फैक्स 25531260755'-:

KENDRIYA VIDYALAYA SANGATHAN
BHOPAL REGION
Opp. Maida Mills,Bhopal-462011
Phone: 2550728 (DC)
2551678 (ACs)
2551699 (AO/FO)
Fax: 0755-2553126
E.Mail:acbhopal@yahoo.com

फा0सं0डी0ओ/2016/केविसं(भोपाल)

दिनांक 17/06/2016

प्रिय प्राचार्य गण, (सूची के अनुसार)

आपके आसपास के संसार को देखने के नजरिए से ही उसकी आपके प्रति अभिव्यक्ति निर्धारित होती है। आप सभी 22 के0वि के द्वारा सामान्यत:यह तर्क रखा गया कि बच्चे स्वयं उनकी परिस्थितियों के कारण ही अनुत्तीर्ण हुए हैं । मैंनं व्यर्थ ही स्वयं को इस बात से बहलाने का प्रयास किया कि जिन कारणों से आप 100 प्रतिशत उत्तीर्ण परिणाम नहीं दे सके, उन सभी की वजह असफल छात्र ही हैं। लेकिन इस तरह के स्पष्टीकरण से मैं स्वयं को संतुष्ट नहीं कर सकता ।

आपको मालूम है कि बच्चे सफल होने के लिए ही इस दुनिया में आते हैं । चूंकि वे नहीं जानते कि कैसे सफल होना है इसीलिए वे विद्यालय आते हैं। यदि वे अनुत्तीर्ण होते हैं तो उसके पीछे कारण होता है,जो स्पष्ट है। आशा है आपने इस कार्यालय के समसंख्यक अर्द्ध शासकीय पत्र दिनांक 10.06.2016 को पूरी तरह पढ़ा हो, जिसमें मैंने बताया था कि सफलता और विफलता दोनो के लिए सैदधांतिक रूप से विद्यालय ही जिम्मेदार हैं। ईमानदारी से किया गया सुनियोजित प्रयास ही विद्यालय से विफलता रूपी दैत्य को भगा सकता है ,पैरों के नीचे रौंद सकता है एवं आसपास फैले आलसी और बेकार तत्वों को दूर भी फेंक सकता है।

कुछ दर्शन का मानना है कि बच्चा संपूर्ण होता है, यहॉ तक कि उसकी अपूर्णता प्रदर्शित होने के बावजूद भी; बशर्ते उसे सही दिशा दी जाए । कल्पना कीजिए कि असफलता का इस प्रकार का दृष्टिकोण जीवन पद्धति को कितना बदल सकता है। उच्च शैक्षिक तैयारी से बच्चा एक विजेता के रूप में अपनी सही जगह प्राप्त कर सकता है और वह यह भी जान सकता है कि वह अपनी जीत का उपयोग कैसे एक खुशहाल और स्वस्थ जीवन बनाने के लिए करे ।

विद्यार्थियों के लिए सफलता को अनुभव करने के लिए आपको स्वयं पर विश्वास होना चाहिए कि आप यह कर सकते हैं । इस बात का निर्णय करने वाले आप ही हैं कि आपका विश्वास किस पर हो। एक आप ही हैं जो यह चयन करते हैं कि आप अपने समय और परिस्थितियों का क्या करें । आप शैक्षणिक अथवा कुछ और पर ध्यान देंगे या फिर दोनों पर एक साथ ध्यान देंगे? आप उस साम्राज्य के राजा स्वयं हैं, जो आपका अपना अद्भुत जीवन है। आपके स्वयं के विचार हैं, कार्य हैं जो आपके मार्ग को निर्धारित करते हैं बुद्धिमानी से अपने विचारों और कार्यों का चयन कीजिए और स्वयं पर इतना विश्वास रखिए कि आपको प्रत्येक क्षण और प्रत्येक परिस्थिति में मार्गदर्शन प्राप्त होता रहे । तभी आप प्रतिकूल परिस्थितियों को अनुकूल कर सकते हैं: अर्थात् आपकी देख रेख में रह रहे विद्यार्थियों की और साथ साथ आप अपनी विफलता को सफलता में बदल सकते हैं ।

उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए मैं इस बात के लिए आश्वस्त हूँ कि आप थोड़ा और बेहतर कर सकते थे एवं अपने संभाग के उन 15 के0वि की तरह का परिणाम दे सकते थे ।

सारांशत: मुझे यह जानकर दुख: हुआ कि उपरोक्त के संदर्भ में विजयी भाव लाने के लिए आपका विद्यालय अन्य विद्यालयों की तरह प्रदर्शन नहीं कर सका और हम जनआकांक्षाओं के प्रति लज्जित महसूस करते हैं । अतएव मैं सामान्यत: इस सब के लिए घोर असंतोष व्यक्त करता हूँ ।

कृपया पावती भेजें ।

भवदीय

(इसमेंपाल)
उपायुक्त

प्राचार्य
केन्द्रीय विद्यालय
गुना/क्र02इटारसी/पचंमढ़ी/सिवनी मालवा/क्र०02 भोपाल/नीमच/बीना/धार/खण्डवा/क्र० 01 इंदौर/क्र 01 इटारसी/महू/क्र03 भोपाल/ क्र० 01 इंदौर(II)/मंदसौर/रतलाम/क्र02इंदौर/विदिशा/क्र01 भोपाल/देवास/उज्जैन/बैरागढ़

प्रतिलिपि:- 1 सहायक आयुक्त केविसं क्षे0का0भोपाल को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु ।
2 प्राचार्य (उपर्युक्त केन्द्रीय विद्यालयों के अतिरिक्त) केविसं भोपाल संभाग को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु ।